भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 113

उत्तर देने की तारीखः 20.**12**.201**8**

**स्नातक/अवर स्नातक अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए प्रणाली को विकसित किया जाना**

**\*113. श्री बी॰ के॰ हरिप्रसादः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि स्नातक अभ्‍यर्थियों को रोजगार प्रदान किए जाने के संबंध में इस मंत्रालय तथा अन्य मंत्रालयों के बीच संवादहीनता की स्थिति है;

(ख) यदि नहीं, तो सरकार के विभिन्न विषयों-क्षेत्रों के स्नातक/अवर स्नातक अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान करने में सक्षम नहीं हो पाने के क्या कारण हैं; और

(ग) विभिन्न महाविद्यालयों से आए तथा नौकरियों के इच्छुकों को रोजगार दिए जाने के संबंध में कोई प्रणाली मौजूद न होने के क्या कारण हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री प्रकाश जावडेकर)

**(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

**\*\*\*\*\***

**स्नातक/अवर स्नातक अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए प्रणाली को विकसित किया जाना के संबंध में श्री बी॰ के॰ हरिप्रसाद द्वारा दिनांक 20.12.2018 को राज्‍य सभा में पूछे जाने वाला तारांकित प्रश्‍न सं. 113 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर में उल्‍लिखित विवरण**

**(क) से (ग): जी, नहीं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, रोजगार क्षमता में सुधार करने तथा स्‍नातक अभ्‍यर्थियों के नियोजन के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के साथ व्‍यवस्‍थित ढंग से कार्य कर रहा है। इस प्रयोजनार्थ, डिग्री छात्रों को शिक्षुता अवसर प्रदान करके एक योजना शुरू किया जाना प्रस्‍तावित है। योजना का ब्‍यौरा तैयार किया जा रहा है।**

**विश्‍वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने गुणवत्‍ता अधिदेश जारी किया है जिसमें सभी विश्‍वविद्यालयों को उद्योग और सेवा क्षेत्रों के साथ समन्‍वय बनाने के लिए कहा है ताकि 2022 तक छात्रों की नियोजनीयता में सुधार किया जा सके। यूजीसी का उद्देश्‍य उच्‍चतर शिक्षा में छात्रों की रोजगार क्षमता में 2022 तक सुधार करना है।**

**अन्‍य कॉलेजों में स्‍नातक और अवर स्‍नातक कार्यक्रमों में विभिन्‍न विषयों में अध्‍ययन कर रहे छात्रों के रोजगार के संबंध में मंत्रालय ने ऐसे कॉलेजों जैसे तकनीकी गुणवत्‍ता सुधार कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम, राष्‍ट्रीय संस्‍थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क के जरिए संस्‍थाओं की रैंकिंग इत्‍यादि में शिक्षा की गुणवत्‍ता में सुधार करने के लिए कदम उठाए हैं। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) और विश्‍वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भी स्‍नातक छात्रों की नियोजनीयता में सुधार करने के लिए गुणवत्‍ता बेंचमार्क तैयार किए हैं।**

**संस्‍थाओं में कैम्‍पस प्‍लैसमेंट में विविधता के लिए विभिन्‍न कारण हैं। इनमें विद्यमान बाजार स्‍थिति, उच्‍च शिक्षा के लिए प्राथमिकता, स्‍टार्ट-अप और उद्यमिता की ओर छात्रों की नवीकृत रूचि और निजी क्षेत्र, जो देश में प्रमुख नियोक्‍ता है, से अस्‍थिर मांगें शामिल हैं। संस्‍थान इनके प्‍लेसमेंट सेल के जरिए बेहतर प्‍लेसमेंट अवसरों से छात्रों सतत रूप से सहायता करते हैं, जो निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों से संभावित नियोक्‍ताओं के साथ सुद़ढ संबंध स्‍थापित करते हैं। कैरियर विकास केंद्र छात्रों को कैरियर अवसर चुनने के लिए सहायता प्रदान करते हैं। छात्रों में साफ्ट-स्‍किलस विकसित करने के लिए कार्यशालाएं और सेमिनार भी आयोजित किए जाते हैं।**

**श्रम मंत्रालय ने कैरियर परामर्श, व्‍यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों से संबंधित सूचना, प्रशिक्षुता, इंटर्नशिप इत्‍यादि जैसे विविध रोजगार सेवा के परिवर्तन के लिए मिशन मोड परियोजना के रूप में राष्‍ट्रीय कैरियर सर्विस (एनसीएस) शुरू किया है। ये सेवाएं एनसीएस के अंतर्गत ऑनलाइन उपलब्‍ध है और इन्‍हें कैरियर केंद्रों, सामान्‍य सेवा केंद्रों, डाकघरों, मोबाईल यंत्रों, साईबर कैफे इत्‍यादि के जरिए सीधे देखा जा सकता है। एनसीएस मंच से संबंधित विभिन्‍न हितधारकों में नौकरी के इच्‍छुक, उद्योग, नियोक्‍ता, रोजगार कार्यालय (कैरियर केंद्र), प्रशिक्षण प्रदाता, शैक्षिक संस्‍थाएं और प्‍लेसमेंट संगठन शामिल हैं।**

**एनसीएस पोर्टल (एनसीटीएसपी) को कार्यात्‍मक बनाया गया है** ([www.ncs.gov.in](http://www.ncs.gov.in)) **और 20.07.2015 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्‍ट्र को समर्पित किया गया था। एनसीएसपी को समर्पित हेल्‍पलाईन (बहुभाषी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जो प्रयोक्‍ताओं की सहायता करने के लिए 1800-425-1514 पर मंगलवार से रविवार (सुबह 08.00 बजे से शाम 08.00 बजे) तक उपलब्‍ध है। ये सुविधाएं नि:शुल्‍क उपलब्‍ध हैं। यह पोर्टल नौकरी के इच्‍छुक, नियोक्‍ताओं, कौशल प्रदाताओं, कैरियर परामर्शदाताओं इत्‍यादि सहित सभी प्रयोक्‍ताओं के लिए सुलभ है। यह पोर्टल नौकरी मेलों के आयोजन में भी सहायता करता है जहां नियोक्‍ता और नौकरी के इच्‍छुक दोनों सम्‍पर्क बना सकते हैं।**

**3 दिसंबर, 2018 की स्‍थिति के अनुसार एनसीएस पोर्टल के जरिए 97.29 लाख नौकरी के इच्‍छुक और 8988 नियोक्‍ताओं को पंजीकृत किया गया है और 36.90 लाख रिक्‍तियां जुटाई गई हैं। इसके अतिरिक्‍त पोर्टल पर विभिन्‍न राज्‍यों और संघ राज्‍य क्षेत्रों से 3548 कैरियर परामर्शदाता पंजीकृत हुए हैं।**

**\*\*\*\*\***